डॉ० प्रवीण कुमार अंशुमान दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज में अंग्रेज़ी विषय के शिक्षक (असोसिएट प्रोफ़ेसर) हैं। साहित्य जगत् में उनकी ख्याति एक विश्व रिकॉर्ड के कवि और शायर के रूप में है। अभी तक उन्होंने पंद्रह पुस्तकों की रचना की है। 'अदृश्य लोक के आँगन से' उनकी सोलहवीं पुस्तक और तीसरा काव्य-संग्रह है।

'अदृश्य लोक के आँगन से' 121 कविताओं का एक संग्रह है जिसमें काव्य-धारा के साथ-साथ दर्शन का तत्त्व भी विद्यमान है। इसमें सम्मिलित सभी कविताओं की रचना एक ही माह (मई 2021) में की गई है। कोरोना काल के दौरान रची इन कविताओं का मूल स्वर 'मृत्यु' के इर्द-गिर्द बसी दुनिया को प्रतिध्वनित करता है। मृत्यु के गर्भ से अमृत का आविष्कार कैसे हो, यह इसके मौलिक चिंतन में समाविष्ट है।

hatcheggpublication.com

MRP - 299/- INR

Designed by: Sachin Verma

ISBN 978-81-967435-1-2

9 788196 743512

अदृश्य लोक के आँगन से

डॉ० प्रवीण कुमार अंशुमान

अदृश्य लोक के आँगन से

डॉ० प्रवीण कुमार अंशुमान